O

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

मु.उ.पु. 24 पृष्ठ

कार्यालयीन उपयोग के लिए

परीक्षा के नाम की सील **H.S.S.C. Exam.**

निम्न रिक्तियों की सही प्रविष्टि परीक्षार्थी द्वारा की जाए।

1. विषय कोड 053 परीक्षा का विषय संस्कृत
2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी परीक्षा की दिनांक 20-3-09
3. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र का पूर्ण कोड नम्बर कोड 1 — सेट 19

केन्द्र क्रमांक की सील

C.No. 351034

2009

...कर तौर के नि... मिलाकर

उत्तर पुस्तिका का सरल क्रमांक K 3616644

4. परीक्षार्थी का अनुक्रमांक (अंग्रेजी अंकों में)

2	9	2	5	1	7	8	4

5. नीचे दिये प्रत्येक कालम में ऊपर दिये गये अनुक्रमांक के अंकों को उसी क्रम में शब्दों में लिखा जाए :—

...	...	...	...	सात	आठ	...	

...ADESH BHOPAL

पर्यवेक्षक/केन्द्राध्यक्ष का प्रमाणीकरण

प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी द्वारा निम्नानुसार पूरक उत्तरपुस्तिका ली गई है :–

क :– संख्या शब्दों में ______ अंकों में ______

ख :– परीक्षार्थी की बैठक व्यवस्था कक्ष क्रमांक 9 में है।

ग :– उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न–पत्र का कोड नम्बर एवं सेट सही लिखा है।

हस्ताक्षर (पर्यवेक्षक) ______

नाम ______ पद ______

पता/संस्था ______

परीक्षार्थी द्वारा ली गई सभी पूरक उत्तर पुस्तिकायें, मुख्य उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न हैं।

हस्ताक्षर केन्द्राध्यक्ष

B S E M P

परीक्षार्थी, परीक्षक से अपेक्षा है कि वे पृष्ठ भाग पर दिये गये निर्देशों का यथेष्ट पालन सुनिश्चित करेंगे।

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्तानुसार संलग्न पूरक उत्तर... चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही उत्तरपुस्तिका का मूल्यां... पुस्तिका के अन्दर के अंक एवं कवर पृष्ठ पर दर्शाये अंक एक...

हस्ताक्षर (परीक्षक) ______ हस्ताक्षर (उपमुख्य परीक्षक) हस्ताक्षर (मुख्य परीक्षक)

परीक्षक क्रमांक 917021 दिनांक.................. दिनांक..................

परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. परीक्षार्थी को अपना अनुक्रमांक/विषय/माध्यम/दिनांक एवं प्रश्न–पत्र का कोड (समूह) मुख पृष्ठ पर अंकित करना अनिवार्य है। अन्यत्र कहीं भी नहीं लिखा जाएगा।
2. अनुक्रमांक नीचे दिये गए उदाहरण अनुसार लिखा जाए :–

1	8	2	4	3	9	5	6	8
एक	आठ	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

3. उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर पृष्ठों में लिखें। बीच में रिक्त स्थान न छोडें। भूल से छूटा/रिक्त स्थान तथा शेष खाली पृष्ठों को क्रास किया जाए।
4. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र हल करते समय ही, कव्हर पृष्ठ पर दी गई तालिका में प्रश्न क्रमांक के सम्मुख वाले कालम में उत्तरपुस्तिका का वह पृष्ठ क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करें जिस पर प्रश्न का उत्तर लिखा गया है। यदि पूरक उत्तरपुस्तिका का उपयोग किया गया हो, तो उस पर 25 से प्रारंभ करते हुए पृष्ठ क्रमांक परीक्षार्थी द्वारा स्वयं डाले जाएँ।

परीक्षक के लिए निर्देश

1. केवल उन्हीं उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें जिन पर होलो क्राफ्ट स्टीकर चस्पा है।
2. उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया जाये।
3. बिना होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली तथा फटे हुए होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली सभी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन हेतु परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से भेजी जाये।

मूल्यांकन केन्द्र के लिए निर्देश

1. **O.M.R. SHEET** पर प्राप्तांक की प्रविष्टि करने हेतु केवल वही उत्तरपुस्तिकाएँ प्राप्त करें, जिनका मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया गया है। यदि होलो क्राफ्ट स्टीकर फटा हुआ पाया जाता है तो ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी को पृथक से सौपी जाएँ। ऐसे प्रकरणों के प्राप्तांकों की प्रविष्टि **O.M.R. SHEET** में नहीं की जाए। मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं पुनः मूल्यांकन के लिये परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से सौपेंगे।
2. उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ में अंकों एवं शब्दों में अंकित प्राप्तांकों को मिलान कर **O.M.R. SHEET** में अंकों की सटीक प्रविष्टि करें।
3. **O.M.R. SHEET** पर प्रमाणीकरण कर हस्ताक्षर करें।

1 प्रश्न 1 का उत्तर है ⇒

1 का (क) ⇒ चित् + आनन्दः

1 का (ख) ⇒ विसर्ग सन्धिः

का (ग) ⇒ नायक

का (घ) ⇒ [redacted] द्वितीया

1 का (ङ) ⇒ द्विगुः

1 का (च) ⇒ मक्षिकाणाम्

B

1 का (छ) ⇒ हरिश्च हरश्च

S

2 प्रश्न 2 का उ० है ⇒

2 का (क) ⇒ [redacted] आदरः

M

2 का (ख) ⇒ सम्

P

2 का (ग) ⇒ प्रायः

2 का (घ) ⇒ कुरु

प्रश्न 3 का उत्तर है ⇒

(क) लट्

(ख) अन्य पुरुषः

(ग) एकवचनम्

य.

4 प्रश्न 4 का उत्तर ⇒

4 का (क) ⇒ आदाय

4 का (ख) ⇒ तरफ

4 का (ग) ⇒ डीत्रे

4 का (घ) ⇒ [redacted] स्तुप

प्रश्न 5 का उत्तर ⇒

5 का (क) ⇒ गंगोत्री

5 का (ख) ⇒ संख्यानं

5 का (ग) ⇒ [redacted] दश

5 का (घ) ⇒ नास्ति

5 का (ङ) ⇒ गिरो

MP

6 प्रश्न 6 का उत्तर है

6 का (क) ⇒ तृतीया

6 का (ख) ⇒ आत्मानम्

का (ग) ⇒ एकवचनम्

पृष्ठ के अंकों का योग

सा ग पृ ५ पृ ~

[7] प्रश्न 7 का उत्तर ⇒

7 का (i) ⇒ ओघोननाम्नी परतमू ⇒ स्वयमेव मूलघायका: सन्ति

7 का (ii) ⇒ वृक्षा: ⇒ पर्यावरणस्य मूघायका: सन्ति

1 का (iii) ⇒ गंगा यमुनाप्रभृतय: सरितो ⇒ मालिनत्वयुक्ता:

1 का (iv) ⇒ धेनुप्रभृतयो हिंसा ⇒ उरगादयश्च

[8] प्रश्न 8 का उत्तर ⇒

(8) का (क) ⇒ नृपदत्स्य

2 का (ख) ⇒ आ: पापे

का (ग) ⇒ [redacted] ईदृशी

का (घ) ⇒ रसाला:

प्रश्न 9 का उत्तर ⇒

का (क) ⇒ प्रासञ्चनरीवा भारतपाकिस्तान युद्धस्य पञ्चविंशति [redacted] दिनाङ्क: आस्ति ।

का (ख) ⇒ स्वनद्या वाच श्रुत्वा अपत्यस्य कोप: आगत: ।

का (ग) ⇒ पुराकृतानि पुण्यानि वने, रणे, शात्रो, जले मेरे, मध्ये, महार्णवे, पर्वतेषु तो रक्षन्ति ।

B
S

पृष्ठ के अंकों का योग

(6)

[10] प्रश्न 10 का उत्तर है

10 का (क)

(i) [illegible]

(i) अश्रान्ते अध्ययन्य स्कोयोगिन: आगतवन्त: ।

(ii) रूपका मातु: सूचनानुसारं भयान पेटिका दिनवस्तूनि सह कारयाने उपविष्टवती ।

(iii) स्वन्ना [illegible] कं चालयन्ती स्वर्णा तन्त्वरं गृहं प्रविष्टवती मार्गे एव स्थिता ।

(iv) गृहं सर्वं शून्यमिव भासते स्म ।

का (ख)

(i) भूतानि अन्नात् भवन्ति ।

(ii) अन्नोत्पत्तिः वृष्टेः भवति ।

(iii) यज्ञः कर्मणः उद्भवति ।

(iv) ब्रह्म अक्षरात् उद्भवति ।

[11] प्रश्न 11 का उत्तर है

11 (क) (i) भवन्ति ते मूढधियः पराभवं ।

(ii) प्रविश्य हि घ्नन्ति शठास्तथाविधान

(iii) मयाविधु वै न मायिन:

(iv) प्रविश्य: प्र + विश + ल्यप्

प्रकृति: प्र + (क्त्वा) प्रत्यय

का योग

11 का (घ) (i) सत्यपुरुषः स्वे दुःखे मैं सहर्षं न कुरुते।
(ii) नाडन्यस्य दुःखे प्रहृष्टः न भवति।
(iii) ये दत्त्वानपश्चात् अनुतापं न कुरुते ते धीरो।
(iv) सत्य आर्यशील: न कथ्यते

12 प्रश्न 12 का उत्तर ⇒
श्लोक

(i) मानं हित्वा प्रियो भवति
क्रोधं हित्वा न शोचति।
कामं हित्वाऽर्थवान भवति,
लोभं हित्वा न शोचेत्॥

(ii)
सुखं च दुःखं च भवाऽभवौ च,
लाभाऽलाभौ मरणं जीवितं च।
पर्यायशः सर्वमेत भवति,
तस्माद् धीरो न च हृष्येत् न शोचेत॥

13 प्रश्न 13 का उत्तर ⇒
रिक्तस्थान

(क) ⇒ वर्धयेत्
(ख) ⇒ समीरे
(ग) ⇒ विनायकः
(घ) ⇒ सरितो

BSEMP

16 प्रश्न 16 का उत्तर है

महर्षि - वाल्मीकि - विरचितम् आदिकाव्यं रामायणं लोकविश्रुतम्। रामायणे काव्ये वाल्मीकिना ब्रह्मणः प्रेरणया रामचरितं विरचितम्।
रामायणे कथा सप्तकाण्डेषु चतुर्विंशति - सहस्रश्लोकात्मका उपलभ्यते। अत्र आदिकविना मर्यादापुरुषोत्तमस्य श्रीरामस्य आदर्शपुरुषत्वं मातृ - पितृ देवातिथि - गुरु - पूजा भ्रातृप्रेम - व्यवहाराणामुचितम् - वर्णनं कृतम्। रामायणस्य रचनाकालः प्रायः ई. पू. 600 वर्षात् पूर्वमिति विदुषां मतम्

प्रश्न 15 का उत्तर है

महर्षि वेदव्यासेन वीरशान्तरसयुक्तं महाभारतम् इति ऐतिहासिकं काव्यं विरचितम्। एतस्य विकासक्रमानुसारेण जयम् इति, भारतम् इति, महाभारतम् इति त्रीणि नामानि। अस्मिन् काव्ये लक्षश्लोकाः सन्ति एवं विद्यमानत्वात् च शतसाहस्री नाम्ना प्रसिद्धम्। एतत् काव्यमिदं प्रायः अष्टादश पर्वसु विभक्तः। अत्र कौरवपाण्डवानां परस्परिकः संघर्षस्य वर्णनं कृतम्। अपि च धर्मार्थकाममोक्षादय पुरुषार्थ पुराण इति मतं। धर्मशास्त्र - अर्थशास्त्र - राजनीति ज्ञानविज्ञानं - कला - शिल्पादय - अनेके विषयाः समाविष्टाः

ISEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

मध्यप्रदेश

17 प्रश्न 17 का उत्तर ⇒

एकदा राजकुमारः सिद्धार्थः विहारार्थम् उपवनं गतः। सहसा क्रन्दनध्वनिं श्रुत्वा स इतस्ततः अपश्यत्। बाणेन विद्धः एकः हंसः भूमौ पतितः आसीत्। एतत् दृष्ट्वा सिद्धार्थस्य चित्तं करुणया व्याकुलं जातम्। सः धावित्वा हंसस्य शरीरात् बाणं निष्कास्य तम् अङ्के आधारयत्। तत्काले धावन् देवदत्तः तत्र प्राप्तः। सिद्धार्थस्य हस्ते हंसं दृष्टवान् उक्तः अवदत् – सिद्धार्थ! एकः हंसः मया बाणेन निपातितः। अस्माकम् देहि।

18 प्रश्न उत्तर ⇒

(i) संसारे जनाः सुखम् इच्छति।
(ii) सुखं च धनेन एव प्राप्तुं शक्यते।
(iii) परिश्रम रूपेण च प्राप्तं धनविनाशकारि भवति
(iv) सुखं प्राप्तुं धनोपार्जनस्य आवश्यकता भवति।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

19 प्रश्न क्र 19 का उत्तर स्थानान्तरण प्रमाणपत्रं

सेवायाम्
प्राचार्य महोदया:
डॉ. श्रीवास्तव उ. मा. विद्यालय:
तेंदूखेड़ा (दमोह)

श्रीमताम्,
सादरं निवेदयामि यत् मम पितुः स्थानान्तरणं ग्वालियरनगरे सञ्जातम्। सकलः परिवारः आगामी रविवासरे ग्वालियरनगरं गमिष्यति। मया अपि ग्वालियरनगरे अध्ययनं करणीयं भविष्यति।

अतः विद्यालयस्थानान्तरणं प्रमाण-पत्रं दत्वा भवन्तु मयि अनुग्रहं कुर्वन्तु, इति प्रार्थये।

धन्यवादाः
भवताम् आज्ञाकारी शिष्या
नाम कुसुम सिंह
दिनाङ्क
20-3-09

B S 1 P

20 प्रश्न उत्तर अर्थ ख) अस्माकं देशः

(i) प्रस्तावना।
(ii) भारतस्य स्थिति:
(iii) वेदज्ञानस्य देशः
(iv) भारतवर्तमानदशा:
(v) उपसंहार:

(i) प्रस्तावना: ⇒ अस्मिन् देशे भरत कुलस्य राजा बभूव तद् भारतवर्षम् अस्ति। अस्माकं देशः भारतवर्षम् अस्ति। अयं देशः प्राचीनतमः। भारतोऽपि विशाल देशः अस्ति। अस्या भूमिः शस्यश्यामला अस्ति। अस्माकं देशे अनेके प्रदेशस्य सन्ति। अस्माकं-देशे अनेकाः भाषाः सन्ति।

(ii) भारतस्य स्थिति ⇒ अस्या पूर्व दिशायां सम्प्रतं बंगलादेशः, पश्चिमः दिशायां पाकिस्तानः, उत्तरं दिशायां हिमालयः चीन देशस्य, दक्षिणं दिशायां च श्रीलंका इति।

(iii) वेदज्ञानस्य देशः ⇒ अत्रैव आदि स्रष्टा वेद ज्ञानस्य देशः प्रादुर्भावोऽभवत्। रामकृष्णा परमहंस, वर्धमान महावीर, बुद्ध, नानकः, शंकराचार्य, दयानन्दः, स्वामी महापुरुषाः अस्मिन्नेव देशः अजायन्त।

(iv) देशस्य वर्तमान दशा: ⇒ साम्प्रतं अयं देशः द्वि विंशति राज्येषु राज्य व्यवस्था कारणात विभक्तः। अधुना अत्र गणतन्त्रात्मक प्रजातन्त्र शासनम्। केन्द्रीय शासनस्य व्यवस्था कांग्रेस नेतृणां हस्तेषु अस्ति।

(v) उपसंहार: ⇒ अस्माकं देशः उन्नतः निरन्तरः समृद्धशाह मुक्तश्च सदा भवेत इत्येव वयम् इच्छामः

"जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी"

14

प्रश्न 14 का उत्तर।

~~(क) उपवनम् परितः जनाः भ्रमन्ति।~~
~~(ख) माता बालकाय दुग्धं ददाति।~~
~~(ग) गणेशः शिवम् पुत्रः।~~
~~(घ)~~

14

(क) उपवनम् परितः जनाः भ्रमन्ति।
(ख) माता बालकाय दुग्धं ददाति।
(ग) गणेशः शिवम् पुत्रः।
(घ) राधा मन्दिरम् गच्छति।
शिक्षकाः खण्डखण्डं लिखति।

B
C
M
P

अंको का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 13 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 14 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 15 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 16 के अंक = कुल अंक

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 17 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 18 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 19 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 20 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 21 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 22 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 23 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 24 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग